हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय - प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 119 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 11 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

सोना आल टाईम हाई, 87 हजार पहुंची कीमत

डेढ़ महीने में 9,500 रुपए बढ़े दाम, 90 हजार तक पहुंच सकते है भाव

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। मंदसौर की बात करें तो सोमवार को बाजार खुलते ही सोने के दाम बढ़ना शुरु हुए। इसके उल्टा चांदी के भाव में गिरावट के साथ बाजार शुरु हुआ। शाम तक सोना अपने उच्तम दाम 87 हजार रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया था। वहीं चांदी के दाम कम होकर 93 हजार रुपए प्रतिकिलो तक पहुंच गए। 001 जनवरी से अब तक सोना लगभग 9,500 महंगा हुआ इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 77 हजार 500 रुपए से 9,500 रुपए बढक़र 87 हजार रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86 हजार 17 रुपए प्रति किलो से सात हजार रुपए बढक़र 93 हजार रुपए पर पहुंच गया है।

बता दें कि बीते साल सोने का भाव 20.22प्रश बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19प्रश की बढ़ोतरी हुई। 01 जनवरी 2024 को सोना 63 हजार 352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। सोना इस साल 90 हजार रुपए तक जा सकता है। सराफा बाजार के अनुभवी लोगों के अनुसार एक समय के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह पहले आ चुकी है। अमेरिका के बाद यूके ने ब्याज दरों में कटौती और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे भी गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

ट्रक में घुसा बाइक सवार, मौत

मनासा, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एक बाइक सवार ट्रक को ओवरटेक करते समय ट्रक में ही जा घुसा। जिससे उसकी मौत हो गई। हादसा मनासा-मंदसौर रोड पर हुआ। मृतक बरथुन गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होकर अपने गांव ढाकनी लौट रहे था।इसी दौरान सामने से आ रहे एक वाहन के कारण वह ट्रक के पहिए के नीचे आ गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी और घायल व्यक्ति को मनासा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मनासा थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार सुबह परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनो के सुपूर्द किया गया।

भूसा माफियाओं का मार्च..!

प्रतिबंध से पहले ही तैयार प्लानिंग, चार रुपए किलो वाला भूसा दस रुपए से ज्यादा में खरीदना मजबूरी

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में भूसे या सूखला का निर्यात करने पर प्रतिबंध के आदेश जारी कर औपचारिकता हर साल की जाती है। लेकिन, महत्वपूर्ण बात यह है कि आदेश सिर्फ रस्म अदायगी है। इसका कारण है कि गेहूं की कटाई, मतलब मार्च माह में ही भूसा माफिया किसानों से संपर्क कर भंडारण कर लेते हैं। इसके बाद बाहर भेजने और फैक्टरी में इसका उपयोग होता है। परिणाम यह हो रहा है कि पांच साल पहले जो भूसा पशु पालक को तीन से पांच रुपए प्रति किलो मिलता था। वह आठ से तेरह रुपए किलो में खरीदना पड़ता है।

जिले में पशुओं के चारे जिसे सुखला या भूसा भी कहा जाता है। इसके बढ़ते भावों से पशुपालक परेशान हैं। जिले में करीब 07 लाख पशुधन है। इनमें गाय, बैल, भैंस बकरी आदि शामिल हैं। महंगे चारे और पशु आहार के कारण पशुपालन घाटे का सौदा साबित हो रहा है। चारा महंगा होने और कई इलाकों में सूखला नहीं मिलने से भी लोग परेशान होते हैं। कई पशुपालक चारा नहीं मिलने से कुछ पशुओं को खुला छोड़ देते है तो कई कम दामों में मवेशी बेचने को मजबूर हैं। अब बात करें सूखले की तो गेहूं कटने के बाद बचा हुआ अंश सूखला या भूसा कहलाता है। जिसे पशु आहार के रूप में उपयोग किया जाता है। विशेषकर गर्मी के समय जब गर्मी की दस्तक के साथ ही पानी की कमी आ जाती है। जिससे हरा चारा नहीं मिलने पर इसका उपयोग पशु पालक ज्यादा करते हैं। इसके अलावा रोजाना भी करीब एक पशु के लिए प्रति माह एक क्विंटल भूसा जरुरी होता है। लेकिन, चार-पांच साल पहले जो भूसा चार रुपए किलो में मिलता था। अब वह भूसा आठ से तेरह रुपए किलो में खरीदना पशु पालको की मजबूरी बन गई है।

भूसा माफियाओं की अभी से प्लानिंग...

गेहूं की कटाई मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत तक हो जाती है। इससे पहले अर्थात फरवरी में ही भूसा माफिया किसानों से संपर्क कर लेते हैं। पशु पालक जो दाम देते हैं, उससे ज्यादा दाम देकर भूसे की बुकिंग हो जाती है। इसके बाद भूसा माफिया इसे एकत्रित कर इसका संग्रहण करते हैं। इस समय तक प्रशासन भूसे के निर्यात पर प्रतिबंध संबंधित आदेश जारी करता है। इधर भूसा ट्रॉलियों और पिकअप वाहनों में भरकर बाहर उंचे दामों पर बेचा जाता है। जिसका उपयोग फैक्टरियों के बॉयलरों में किया जाता है।

तो भूसे की कमी नहीं होना चाहिए...

जिले में करीब 07 लाख पशुधन है। इसमें एक पशु को प्रति माह एक क्विंटल भूसे की जरुरत होती है। एक हैक्टेयर से 07 ट्रॉली चारे का उत्पादन होता है। इधर करीब सवा लाख हेक्टेयर में जिले में गेहूं की खेती होती है। इससे भूसे की कमी नहीं होना चाहिए। पशु पालक अमूमन बारिश के पहले इकठ्ठा भूसा भरते हैं। लेकिन, भूसा माफिया किसानों को अधिक दाम देकर भूसा खरीद लेते हैं। ऐसे में पशु पालकों को आठ से तेरह रुपए किलो तक भूसा पड़ता है।

किसानों के पास जगह नहीं, फायदा उठाते भूसा माफिया...

फसलों के निकलने के बाद किसानों के पास रखने की उचित जगह नहीं होने से भूसा माफिया इनसे कम दाम यानी दो से चार रुपए किलो में खरीद लेते है। इसके बाद भूसा माफिया भूसे का बड़ी मात्रा में स्टोर कर लेते हैं। फिर वहां से बाहरी क्षेत्र में सप्लाई, लकड़ी के गट्टे बनाने की फैक्टरी में 8 से 10 रुपए किलो के भाव से बेचते है। इससे जिले में चारे की डिमांड बढ़ जाती है। पहले चारे के भाव 4000 से 5000 रुपए ट्रॉली थी, लेकिन चारा माफियाओं की मनमानी के चलते भाव 1000 से 1300 रुपए क्विंटल तक पहुंच गए हैं।

लागत निकालना चुनौती...

पशु आहार के भाव पहले की तुलना में काफी बढ़ गए हैं। इससे पशुपालक चिंतित हैं। डेयरी संचालक गाय का दूध 30 से 35 रुपए लीटर तक खरीद रहे हैं और भैंस का दूध 45 से लेकर 50 रूपए प्रति लीटर के हिसाब से खरीद रहे हैं। इससे पशुपालकों को मुनाफा तो दूर उनकी लागत की चिंता सताने लगती है। जिले के कई दलाल चारे का अवैध भंडारण कर फैक्ट्रियों और जरूरतमंद पशुपालकों से मोटी रकम लेकर चारा बेच देते है।

एमपी बोर्ड: 10वीं-12वीं की अब दो परीक्षाएं होगी

दूसरी में शामिल हो सकेंगे फैल विद्यार्थी, पहली परीक्षा 24 फरवरी से, दूसरी परीक्षा जुलाई में

दोनों परीक्षाओं में अच्छे नंबरों के आधार पर बनेगी मुख्य अंकसूची

भोपाल, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर बड़ा निर्णय किया है। दोनों परीक्षाओं में अब पूरक का प्रविधान खत्म किया जा रहा है। अब दो मुख्य परीक्षाएं होंगी। दूसरी परीक्षा फैल होने वाले विद्यार्थियों के लिए होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह निर्णय लागू किया गया है। इसके आधार पर वार्षिक परीक्षा का परिणाम तैयार किया जाएगा।

निर्णय शिक्षा सत्र 2024-25 की परीक्षा से लागू होगा। मंडल की साधारण सभा की बैठक में यह निर्णय लिया गया है और शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। मध्य प्रदेश बोर्ड की पहली परीक्षा 24 फरवरी से आयोजित होने वाली है। मुख्य परीक्षा के परिणाम के बाद जुलाई में द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा आयोजित होगी।

दोनो परीक्षाओं में विषयों के अच्छे नंबरों के आधार पर विद्यार्थियों की मुख्य अंकसूची तैयार की जाएगी। बता दें, दो मुख्य परीक्षाओं का माडल गुजरात व छत्तीसगढ़ में पिछले वर्ष से लागू हो चुका है। हर साल 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में करीब 18 लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं।

यह है कॉपी जांचने की योजना...

✻ मंडल ने इस बार कॉपी जांचने में सख्त रुख अपनाते हुए कहा गया है कि जिन परीक्षार्थियों के 90 प्रतिशत से अधिक अंक होंगे, उनकी कॉपी दोबारा चैक की जाएगी। इसे विषय शिक्षक के अलावा मुख्य परीक्षक और उप मुख्य परीक्षक भी देखेंगे। ✻ मूल्यांकनकर्ताओं को कॉपी जांचने के दौरान मॉडल आंसर की दी जाती है, इसलिए वह इसे देखकर ही कॉपी जांचे। ✻ छात्रों के कितने नंबर आ रहे हैं, इन नंबरों का टोटल कम से कम दो-तीन बार करें, जिससे गफलत की स्थिति न रहे। ✻ यदि कोई प्रश्न दो नंबर का है और परीक्षार्थी को उसमें चार पॉइंट कवर करना है और उसने तीन ही किए गए हैं, तो इसमें आधा नंबर तक काटा जा सकता है। ✻ अगर कॉपी चैकिंग में एक नंबर की गलती भी सामने आती है, तो कॉपी जांचने वाले शिक्षक पर 100 रुपए फाइन लगाया जाएगा। ✻ सभी मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और उनकी मॉनिटरिंग भी होगी। ✻ सभी शिक्षकों के मोबाइल फोन सहित अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस प्रतिबंधित रहेंगे।

एक विषय में फैल होने पर पूरक परीक्षा की होती थी पात्रता...

द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा में पूरक की पात्रता वाले या कई विषयों में फैल विद्यार्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा जुलाई में आयोजित होगी। अभी तक एक विषय में फैल होने पर विद्यार्थी पूरक परीक्षा में शामिल होते थे। वहीं फैल विद्यार्थी राज्य ओपन बोर्ड द्वारा आयोजित 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत परीक्षा में शामिल होते थे। अब एक या अधिक विषय में फैल विद्यार्थी द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। पिछले साल 10वीं व 12वीं में करीब 2.20 लाख विद्यार्थियों को पूरक मिली थी। वहीं 5.60 लाख विद्यार्थी फैल हुए थे।

ऐसा होगा दो परीक्षाओं का नया मॉडल...

कोई भी विद्यार्थी 10वीं या 12वीं की परीक्षा में एक या दो विषय में फैल हुआ या कम नंबर आए तो वह जुलाई में आयोजित द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा में एक या दो विषय की परीक्षा दे सकता है। चाहे तो वह सभी विषयों की परीक्षा भी दे सकता है। उसके अच्छे अंकों के आधार पर परिणाम तैयार किया जाएगा।

इनका कहना...

एमपी बोर्ड की 10वीं व 12वीं में दो मुख्य परीक्षा कराने का प्रस्ताव है। द्वितीय अवसर की परीक्षा पूरक के समय कराई जाएगी। इससे दोनों परीक्षाओं में विद्यार्थियों का जो विभिन्न विषयों का श्रेष्ठ परिणाम होगा, उसके आधार पर रिजल्ट बनाया जाएगा।

ओएल मंडलोई,
उपसचिव, स्कूल शिक्षा विभाग मप्र

एक दिन में 45 कॉपी ही जांच सकेगा एक शिक्षक..!

माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षा के लिए प्रदेश के साथ ही जिले में पूरी तैयारी हो चुकी है। परीक्षा के बाद मूल्यांकन की भी तैयारी मंडल ने शुरू कर दी है। एक शिक्षक एक दिन में अधिकतम 45 कॉपी ही जांच सकेगा। सबसे पहले शिक्षक को जांचने के लिए 30 कॉपी दी जाएंगी। यदि वह इसे जांच लेते हैं, तो 15 कॉपी और दी जाएंगी। इससे अधिक कॉपी किसी भी शिक्षक को जांचने के लिए नहीं दी जाएगी। मंडल की ओर से कॉपी जांचने के लिए कक्षा 10वीं में प्रति कॉपी 15 और 12वीं में 16 रुपए शिक्षकों को मानदेय दिया जाएगा। मंडल की ओर से इस बार मूल्यांकन कार्य में काफी सख्ती बरती जाएगी। इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिन शिक्षकों की मूल्यांकन के कार्य में ड्यूटी लगाई जाएगी, उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

रिमांड पर चल रहे हाड़ा बंधुओं को सोयायटी लेकर पहुंची पुलिस, दस्तावेज जप्ती में लिये

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सोयायटी संचालित कर खाताधारकों के करोड़ों रुपए अपने निजी खाते में डलवाकर धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार पशुपतिनाथ साख सहकारी संस्था मर्यादित के संचालनकर्ता आशीष हाड़ा व अंकित हाड़ा को रिमाण्ड अवधि के दौरान मंदसौर वायडीनगर पुलिस पिपलियामंडी लेकर पहुंची और आफिस में रखे दस्तावेजों को जब्ती में लिया। जानकारी के अनुसार मनासा मार्ग पर पिपलिया कृषि उपज मंडी से आगे भी उक्त सोयायटी का ऑफिस संचालित होता था, लेकिन दोनों के फरार होने के बाद यहां ताले लगे थे। सोसायटी में डेली कलेक्शन करने वालों ने भी हाड़ा बंधु के खिलाफ पुलिस चौकी में शिकायतें दर्ज कराई थी। क्षेत्र में करीब एक हजार खाताधारकों के करीब एक करोड़ रुपए सोयायटी से लेना है। मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी पुलिस रिमाण्ड पर है। सोमवार को मामले की जांच कर रहे वायडीनगर थाने के एसआई विनय बुन्देला, प्रधान आरक्षक दिनेश धाकड़, आरक्षक पुष्पेन्द्रसिंह, विजय तालान आदि दोनों हाड़ा बंधु को पुलिस वाहन में बिठाकर कृषि उपज मंडी के आगे स्थित बंद पड़े पशुपतिनाथ साख सहकारी संस्था मर्यादित आफिस लेकर पहुंची, ताले खोले व दस्तावेज खंगाले, यहां रखे कम्प्युटर, पासबुकें व लोन के दस्तावेज आदि सामग्री जब्ती में ली। दोनों आरोपी 13 फरवरी तक पुलिस रिमाण्ड पर है, पुलिस आरोपियों से अभी तक राशि बरामद नही कर पाई है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत 'दाता' की सरपंच कैलाशी बाई को किया पद से पृथक

नीमच, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत के सीईओ श्री अमन वैष्णव ने मनासा क्षेत्र की ग्राम पंचायत दाता की सरपंच श्रीमती कैलाशी बाई पति श्री जगदीश कछावा को सरपंच पद से पृथक करने का आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत दाता की सरपंच श्रीमती कैलाशी बाई द्वारा सरपंच पद का दायित्व 500 रूपए के स्टांप पर अन्य व्यक्ति को अनुबंध कर सौंपने का मामला गत दिनों जिला पंचायत सीईओ के संज्ञान में आया था। इस पर यह कार्रवाई की गई है।

गांव में पहुंचा मगरमच्छ का बच्चा, चम्बल नदी में छोड़ा

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव दोबड़ा में सोमवार को वन विभाग टीम ने मगरमच्छ का बच्चा पकड़ा। जिसे चम्बल नदी में छोड़ा। जानकारी के अनुसार नारायणगढ़ थानान्तर्गत गांव दौबड़ा में सोमवार प्रात: 9 तालाब से निकल कर मगर का बच्चा गांव तक पहुँचा गया, ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांध दिया। सूचना पर गांव वन विभाग मंदसौर के पुष्कर मालवीय, सुनील कुमार जैन, जितेन्द्र पंवार, कादर आदि पहुंचे व मगर के बच्चे को चम्बल नदी में छोड़ा। बच्चा करीब 2 फिट का था।

उधार दी सीमेंट के रुपए मांगे तो पीटा

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मकान निर्माण के लिए सामग्री उधार देने के बाद रुपए मांगने पर गाली-गलौज कर मारपीट करने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। मगराना निवासी माधुलाल पिता देवीलाल गायरी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गांव का गोपाल पिता मोहनलाल टेलर मकान निर्माण के लिए 3 फरवरी 2025 को सीमेंट उधार ले गया था। मैं रुपए मांगने गया तो गाली-गलौज कर प्लास्टिक पाइप से मेरे साथ मारपीट की। पुलिस ने गोपाल पर केस दर्ज किया।

नाबालिगों की ड्रायविंग पर नहीं लग पा रहा अंकुश

नगर सेवा टेम्पो को टक्कर मारी, एक घायल

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर में नाबालिगो द्वारा दो पहिया व चार पहिया वाहन चलाने पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। यही कारण है कि आए दिन नाबालिग दुर्घटना का कारण बनते है। जबकि, कई बार मजिस्ट्रेट स्वयं कभी संजीत रोड़ पर तो कभी कहीं अन्य स्थान पर चलित न्यायालय लगाते है। लेकिन, माता-पिता की शह के चलते नाबालिगो को ड्रायविंग करने से नहीं रोक पा रहे है। सोमवार को भी ऐसा ही वाकया हुआ। एक निजी स्कूल की बस में घर से बैठे छात्रो ने श्री कोल्ड चौराहे पर उतरकर हंगामा कर दिया।

दरअसल हुआ यूं कि निजी स्कूल के विद्यार्थियो ने पहले ही एक कार श्री कोल्ड चौराहे पर खड़ी रखी थी। वे अपनी बस से उतरे और कार को ड्राईव करते हुए मंडी की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक नगर सेवा टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से टेंपो पलट गया। जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। मामले में वायडी नगर पुलिस प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाही कर रही थी। किन्तु, सूत्रो की माने तो नाबालिग की बजाय अब कार मालिक के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर राहत प्रदान की गई है। खैर, वायडी नगर पुलिस है। यहां जो हो वह कम है।

अब कांग्रेस अपना संगठन सुधारेगा या दिल्ली हार पर मंथन करेगी..!

मंदसौर/उज्जैन, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप पार्टी की हार की आशंका केजरीवाल सरकार से जनमत के ऊब जाने के कारण सच में बदल गई है। जिस अंतर से और जितने आप पार्टी के सुरमा हारे हैं, उससे स्पष्ट है कि जनमत में आप पार्टी के खिलाफ उबाऊ वातावरण से ज्यादा नाराजगी पनप चुकी थी। जनमत ने नाराजी भी आप पार्टी के सूरमाओं को हराकर दर्शा दी। गुजरात, हरियाणा और पंजाब विधानसभा चुनाव में आप की दखलअंदाजी का पूरा बदला कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप पार्टी से ले लिया है। आप और कांग्रेस के बीच बदले का यह खेल अभी और कुछ थोड़े समय तक चलेगा।

चन्द्रमोहन भगत

इसी के चलते कांग्रेस के दूसरे राज्यों के सांगठनिक बदलाव की जो बयार राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुरू की थी, थम सी गई है। दूसरे राज्यों के कांग्रेस कार्यकर्ता जो उम्मीद लगा बैठे थे कि अब कांग्रेस में तेजी से बदलाव कर सक्रिय नवयुवकों को भी अवसर मिलने वाला है। दिल्ली चुनाव के पहले से ऐसी हवा जो चली थी, जो अब रूक सी गई है। दिल्ली में कांग्रेस को कुछ न मिलने की उम्मीद शाश्वत घोषित थी, हुआ भी ऐसा ही। फिर भी सांगठनिक ढांचे के बदलाव की मुहिम ठहर क्यों गई है ! मध्य प्रदेश में जिस तेजी से संगठन में बदलाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और एक पखवाड़े में दो से तीन उनके दौरों ने जिले के कार्यकर्ताओं में जोश भी भरा था और सक्रियता भी बढ़ा दी थी। घर बैठे कार्यकर्ता भी फील्ड में निकलने लगे थे। क्योंकि, राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के आव्हान पर मुहिम शुरू हुई थी। इस कारण राजधानी के करीबी राज्यों में हरियाणा के कार्यकर्ताओं को बहुत ही ज्यादा उम्मीद थी। इसका गंभीर कारण यह था कि एक दशक से अधिक समय से जिला कार्यकारिणियों का गठन रुका हुआ है। इस बीच दो बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। मतलब कांग्रेस हाई कमान को हरियाणा के बारे में सभी कुछ मालूम है, फिर भी..?

हरियाणा विधानसभा जीतने की उम्मीद पर निचले स्तर की संगठन विहीन कांग्रेस जनमत की भाजपा से नाराजी के भरोसे ही चुनाव मैदान में उतरी तो मुंह की खाना पड़ी थी। अभी भी हरियाणा संगठन, जिला संगठनो के पदाधिकारियो के गठन का इंतजार कर रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्रीय कार्य समिति में किया गया बदलाव का आह्वान इतना शिथिल पड़ गया है कि जिला स्तर के कार्यकर्ता पदाधिकारी यह सोचने को मजबूर होते जा रहे हैं कि कांग्रेस निकट भविष्य में अपना संगठन सुधारेगी भी या दिल्ली में आप पार्टी की हार को ही निहारती रहेगी..?

विचार-मंथन

महंगाई को चार फीसद के आसपास समेटने की तैयारी

भारतीय रिजर्व बैंक ने आखिरकार लंबे इंतजार के बाद, रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती की है। करीब पांच वर्ष पहले चालीस आधार अंक की कटौती की गई थी, जिससे ब्याज दर चार फीसद पर पहुंच गई थी। मगर बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के मकसद से तीन वर्ष पहले थोड़े-थोड़े अंतराल पर पांच बार पच्चीस-पच्चीस आधार अंकों की बढ़ोतरी की गई, जिससे ब्याज दर साढ़े छह फीसद पर पहुंच गई। तब से यह दर इसी स्तर पर बनी हुई थी। रेपो दर ऊंची होने का असर बैंकों से लिए गए कर्ज के ब्याज पर पड़ रहा था। जिन लोगों ने मकान, वाहन या किसी रोजगार के लिए कर्ज लिए हैं, उन्हें अधिक ब्याज चुकाना पड़ रहा था। इसलिए मांग की जा रही थी कि रेपो दर में कटौती की जाए। मगर रिजर्व बैंक इस दिशा में कदम बढ़ाने से इसलिए हिचक रहा था कि महंगाई पर काबू पाना चुनौती बना हुआ था। अब महंगाई का रुख कुछ नीचे की तरफ नजर आने लगा है। अगले वित्त वर्ष में इसके चार फीसद के आसपास रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य भी यही है कि महंगाई को चार फीसद के आसपास समेट दिया जाए। स्वाभाविक ही, रेपो दर में कटौती से मकान, वाहन आदि के लिए कर्ज पर ब्याज का बोझ कुछ कम होगा।

दरअसल, केंद्रीय दर में बढ़ोतरी इसलिए की जाती है कि बाजार में पूंजी के प्रवाह को रोका जा सके, मांग घटे, ताकि महंगाई की दर नीचे उतरनी शुरू हो जाए। इसलिए रेपो दर में कटौती से बाजार में पूंजी का प्रवाह कुछ बढ़ सकेगा। इस तरह मांग भी कुछ बढ़ेगी। मगर देखने की बात है कि केवल पच्चीस आधार अंक की कटौती से बाजार में छाई सुस्ती कितनी टूट पाएगी। दरअसल, बैंकों का कारोबार भी काफी मंद पड़ा हुआ है। इसलिए वे एकदम से रेपो दर में हुई कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को देना शुरू कर देंगे, कहना मुश्किल है। लंबे समय से रेपो दर ऊंची रहने से लोगों ने वाहन और मकान वगैरह खरीदने से हाथ रोक रखा था, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि फिर से लोग इन क्षेत्रों की तरफ आकर्षित होंगे। सबसे चिंता की बात पिछले कुछ समय से विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट बनी हुई थी। जिस विनिर्माण क्षेत्र के बल पर सकल घरेलू उत्पादन ऊंचा बना हुआ था, वह मांग घटने की वजह से तीन फीसद के आसपास सिमट गया है। तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पाद की बिक्री पर भी बुरा असर देखा जाने लगा है। ऐसे में, रेपो दर में कटौती का कुछ अच्छा असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ने की उम्मीद है। मगर, बाजार में छाई सुस्ती और मांग में कमी आने की वजह केवल ऊंची रेपो दर नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में कमी है। कोरोना की बंदी के बाद बाजार तेजी से पटरी पर तो लौटा, मगर लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो पाई। कई मामलों में प्रति व्यक्ति आय घटी है, जबकि उनकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ गई है। इसलिए लोगों ने अपने दैनिक उपभोग में कटौती की है। रेपो दर में कटौती से जरूर लोगों की जेब पर पड़ने वाला बोझ कुछ कम होगा, मगर पच्चीस आधार अंक की कटौती इतनी मामूली है कि वह लोगों के उपभोग व्यय के रूप में रूपांतरित हो पाएगी, कहना मुश्किल है।

आम आदमी पार्टी की हार, भाजपा की सरकार

सुरेश हिंदुस्तानी

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनाने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में जिस आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला। दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और ही होती, लेकिन अरविन्द केजरीवाल का अहंकार ही उनको ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि «मोदी जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो आप हरा नहीं सकते»। ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बड़ी बात यह है कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे थे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। जबकि यह सारा काम जांच एजेंसियों और सर्वोच्च न्यायालय ने किया। अरविन्द केजरीवाल को जेल भेजने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का था, लेकिन उनका आरोप भाजपा पर था। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की इस बात को झूठ ही माना। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भारतीय जनता पार्टी का भी दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा के चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सीट प्राप्त होना, इसको प्रमाणित भी करता है। विधानसभा में भाजपा को भले ही कम सफलता मिली हो, लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने भी इस चुनाव को आम आदमी पार्टी की तर्ज पर ही लड़ा। भाजपा ने लोहे को लोहे से काटने की रणनीति पर काम किया, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली। दिल्ली के चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को ही उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, ये वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, जब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर उनको जमानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक गुरु के रूप प्रचारित समाजसेवी अण्णा हजारे इस चुनाव में केजरीवाल से रूठे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सही निशाने पर जाकर लगा है। दिल्ली चुनाव के बारे में मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षण परिणाम को पुष्ट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हुए हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर वही तस्वीर दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इससे ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चूक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अतः यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षा को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया। कहा यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद आतिशी खुद नहीं चाहती थी कि अरविन्द केजरीवाल जीत कर आएं, क्योंकि वे जीतते तो आतिशी को मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ता।

जीवन के हर क्षण का मोबाइल में नियंत्रण

मोनिका राज

अब हर किसी के हाथ में मोबाइल या स्मार्टफोन के रूप एक यंत्र है जो जीवन के हर क्षण का नियंत्रक बन चुका है। एक वह समय था जब परिवार के सदस्य सांझ ढलते ही एक साथ बैठकर भोजन किया करते थे, लेकिन अब भोजन के समय भी सबकी दृष्टि अपने अपने यंत्रों में बंधी होती है। भोजन का स्वाद कड़वा या मीठा हो, इस बात का भान भी नहीं होता। भावनाओं की मिठास कहीं खो चुकी है और संवाद का लोप हो गया है। गांव की बूढ़ी दादी पोते-पोतियों को किस्से सुनाती थी, अब आधुनिकता की अंधी दौड़ में अकेली रह गई है। उसके हाथों की झुर्रियों में छिपे हुए प्रेम का मोल अब कोई नहीं जानता। उसके आशीर्वाद के अमृत कलश अब सूख चुके हैं। उसकी पीड़ा इन शब्दों में महसूस की जा सकती है कि बेटा, इस मोबाइल फोन ने हमें अपनों से दूर कर दिया है। पर उसकी बातें अब किसी के लिए महत्त्वहीन हो चली हैं। किसी समारोह में जब लोग एकत्र होते हैं, तो एक विचित्र दृश्य उत्पन्न होता है। पहले लोग हास-परिहास में व्यस्त रहते थे, अब केवल किसी कोने में बैठकर अपने यंत्र में उलझे रहते हैं। वे चेहरे जो कभी हंसी से खिले रहते थे, अब यंत्रों की रोशनी में चमकते दिखते हैं। मनुष्य और मनुष्य के बीच की दूरी यंत्रों की निकटता से बढ़ चुकी है। संवाद के नाम पर बस संदेशों का आदान-प्रदान है, जिसमें भावनाएं कहीं दूर खो चुकी हैं। यही नहीं, बचपन भी अब मोबाइल की गिरफ्त में है। जो कभी गांव की गलियों में मिट्टी में खेलते थे, अब उन्हीं के हाथों में यंत्र है। खेलने-कूदने की खुशी अब किसी आभासी खेल में बंधी है। धूल में लोटने, नदी में तैरने, और आम के बगीचे में मस्ती करने का आनंद अब किसी इलेक्ट्रानिक गेम में समा गया है। कोमल हाथ अब किताबों के पन्नों की जगह यंत्र की सख्त स्क्रीन पर हैं। विज्ञान की यह देन केवल सामाजिक ताने-बाने को ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संबंधों को भी नष्ट कर रही है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य की चिंता में ही इतने उलझे हुए हैं कि वर्तमान की खुशियों का मोल वे जान नहीं पाते। बच्चों की मुस्कान और हंसी अब केवल सोशल मीडिया पर फोटो डालकर प्रसारित होती है। सच यह है कि युग के इस अभिशाप ने प्रेम का भी गला घोंट दिया है। जहां प्रेम पत्रों में दिल की धड़कनों की आवाज सुनी जा सकती थी, वहां अब संदेशों में 'इमोजी' की निर्जीव मुस्कान ने अपना स्थान बना लिया है। प्रेम का आदान-प्रदान अब केवल यंत्रों के माध्यम से हो रहा है, जिसमें न वह ऊष्मा है, न वह आत्मीयता। प्रेम की मिठास अब आभासी हृदयों में कैद हो चुकी है। विज्ञान ने हमें सहूलियतें दी हैं, लेकिन उसकी अतिशयता ने हमें हमारी जड़ों से दूर कर दिया है। पारिवारिक संबंध अब औपचारिकता मात्र रह गए हैं। संवेदनाओं का संसार अब केवल यंत्रों की शुष्क स्क्रीन पर सिमट कर रह गया है। जीवन की वास्तविकता कहीं खो गई है और मनुष्य का मानस यंत्रों के हाथों की कठपुतली बन चुका है। गांव का वह मंजर भी अब लुप्त हो गया दिखता है जब बड़े-बुजुर्ग पेड़ की छांव तले बैठकर किस्से-कहानियों में खो जाते थे। अब पेड़ की छांव में बैठने का समय किसी के पास नहीं है। सब जल्दी में हैं, सब भाग रहे हैं। जीवन की भागमभाग ने हमें रुकने का समय ही नहीं दिया। भावनाएं अब केवल आभासी संसार का हिस्सा बन चुकी हैं और हृदय की गहराई में छिपी संवेदनाएं लुप्त हो चली हैं। समाज में इस तकनीकी विकृति ने केवल व्यक्तियों के बीच दूरियां नहीं बढ़ाई हैं, बल्कि हमारी आस्था, विश्वास और प्रेम की गहराइयों को भी कमजोर कर दिया है। जो रिश्ते कभी आत्मीयता के धागों से जुड़े थे, अब वे केवल संदेशों और फोन काल तक सीमित हो गए हैं। एक वह समय था जब अपनों का हाथ थामने से हृदय की गति बढ़ जाती थी, अब मोबाइल की ध्वनि सुनकर हृदय धड़कता है। मनुष्य की इस दशा पर सोचते हुए मन में एक प्रश्न उठता है कि क्या तकनीकी उन्नति हमारे लिए वरदान है! या कहीं-कहीं इसे जो अभिशाप कहा जाता है, उसका कोई आधार है? क्या इस युग की असहनीय गति ने हमारी वास्तविक खुशी छीन ली है? आज की तकनीकी के चमत्कार, जो सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं, उसी ने हमें अपनी संवेदनाओं से भी दूर कर दिया है। जिस युग में हम जी रहे हैं, केवल सुविधाओं की ओर अग्रसर नहीं हैं, बल्कि मानवता की ओर पीठ मोड़ रहा है।

सरकार की इच्छा शक्ति का ही परिणाम है राजस्थान की माइनिंग सेक्टर में लंबी छलांग

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़े भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा। उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं।

हार के बाद अतिशी ने छोड़ा दिल्ली का सीएम पद, एलजी को सौपा इस्तीफा

आज का राशिफल

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5504

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5503

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 5504

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1918 को इस देश ने खुद को स्वतंत्र किया (3)
4. 1975 को इस दक्षिणी अफ्रीकी राज्य को पुर्तगाल से आजादी मिली (3)
7. हजार हाथियों के बराबर बल होने वाली इस राक्षसी का श्रीराम ने वध किया था (3)
8. असि, खड्ग (4)
10. मिट्टी या अन्य धातु का बना हुआ टोंटीदार लोटा जो पूजा आदि में प्रयुक्त होता है (3)
12. [illegible] (2)
13. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया एक तंतु, टेलीग्राम (2)
14. रामभक्त हनुमान का एक नाम (4)
17. जीवन के दिन बिताना (2)
18. [illegible] (3)
21. द्रोणाचार्य का एक नाम यह भी है (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
25. क्षण, लम्हा (2)
26. मनोरथी (4)

ऊपर से नीचे
1. पौत्र, पोता, बेटे का बेटा (2)
2. अवरोहण करना, धरती पर आना (5)
3. पश्चिम अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है (3)
4. [illegible] (2)
5. [illegible] (2)
6. जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो (4)
9. [illegible] (2)
11. [illegible] (3)
12. ईश्वरीय विधान, सृष्टि पालक तत्व (3)
13. [illegible] (4)
15. जो मन को भाए (2)
16. [illegible] (3)
19. [illegible] (3)
20. पवित्र, पुनीत, पापहीन (2)
22. चार युगों में यह तीसरा है जो पुराणानुसार यह 864000 वर्ष का माना गया है (3)
24. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5503 का हल

अ	ट	ल	बि	हा	री		आ
म	न	का		रि		मा	ला
र		र	ह	म	दि	ल	
ना	ज			ता	न	पू	त
थ	र		त	ई		आ	ज
	म	ज	ना		ली		ज्या
या	ह		नु	का		था	न
	या	त्र	ज		मी	ना	

श्री रामचरणजी महाराज का प्राकट्य महोत्सव मनाया

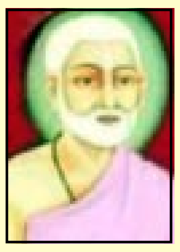

मनासा, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अंतराष्ट्रीय राम स्नेही संप्रदाय के प्रवर्तक,जन्मदाता अनंत विभूषित स्वामी रामचरण जी महाराज का 305 वा प्राकट्य महोत्सव स्थानीय श्री रामद्वारा में राम स्नेही संप्रदाय द्वारा विद्वान संत श्री अजबरामजी के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगी। आज 11फरवरी को सायं 4 बजे रामद्वारा से विशाल शोभा यात्रा बैंड बाजों के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से निकलेगी जिसमें रामस्नेही बंधु अपने कंधों पर पालकी उठाए चलेंगे जिसमें आराध्य रामचरण जी महाराज की सुंदर झांकी होगी जगह जगह राम स्नेही बंधुओं व नगरवासियों द्वारा आराध्य रामचरण जी महाराज की पूजाअर्चना की जाएगी। शोभायात्रा नगर भ्रमण के बाद पुन: रामद्वारा आयेगी जहा पर रामस्नेही बंधुओं द्वारा पूज्य वाणी जी का पाठ किया जाएगा पश्चात जयंती महोत्सव पर विद्वान संत अजब राम जी महाराज के मुखारविंद से प्रवचन होगे रात्रि 7 बजे महाआरती के बाद प्रसादी कार्यक्रम होगा। कल रविवार को रामद्वारा में रात्रि में जागरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें नगर के भजन गायकों ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। स्थानीय रामस्नेही संप्रदाय से बंधुओं से जयंती महोत्सव के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ नीमच जिला इकाई में नगर इकाईयों में अध्यक्ष नियुक्त

अजय जोशी रामपुरा, राजेन्द्र भट्ट कुकडेश्वर, दिलीप बोराना मनासा, अनिल लक्ष्कार सरवानियां महाराज, दिपेश जोशी जावद, उमेन्द्र जोशी डिकेन, प्रदीप तिवारी रतनगढ़, राकेश पुरोहित नयागांव को मिला दायित्व

मनासा, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ नीमच जिला इकाई में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने नगर परिषद क्षेत्र में नगर इकाई अध्यक्षो कि नियुक्ति की है। इसमें अजय विश्वास जोशी रामपुरा, राजेन्द्र भट्ट कुकडेश्वर, दिलीप बोराना मनासा, दिपेश जोशी जावद, उमेन्द्र जोशी डिकेन,अनिल लक्ष्कार सरवानियां महाराज, प्रदीप तिवारी रतनगढ़, राकेश पुरोहित नयागांव को अपनी अपनी नगर परिषद में नगर इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी नव नियुक्त नगर अध्यक्षो को जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन कार्यकारी जिलाध्यक्ष चेन सिंह सोलंकी जिला महासचिव अविनाश जाजपुरा ने बधाई शुभकामनाऐं देते हुए संगठन में सक्रियता के साथ काम करने की बात कही।

विकसित भारत, स्वच्छ भारत एवं कुम्भ पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आज दिनांक 10 फरवरी,2025 को डॉ0 रघुवीरसिंह शासकीय महाविद्यालय, सीतामाऊमें विकसित भारतऽ2047, स्वच्छता एवं कुम्भ मेला विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर की गई। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अंकित पटवा ने युवाओं से विकसित भारत के विजन को पूरा करने में अपना अमूल्य योगदान देकर 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प को पूरा करने की अपील की। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य हरीशंकर रेगर ने भारत को विकसित बनाने के लिए सरकार द्वारा लिए जा रहे आवश्यक निर्णयों पर प्रकाश डाला। सम्पादक संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मांदलिया ने विकसित भारत के विजन एवं हमारी सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से अपने बडों का सम्मान करने की बात कही। सीबीसी प्रभारी देवेन्द्र कुमार ने स्वच्छता एवं महाकुम्भ मेले पर विचार प्रकट किये। पूर्व प्रचार एवं कार्यक्रम के दौरान निबन्ध, चित्रकला एवं रंगोली एवं प्रश्न् मंच प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरूस्कृत कर सम्मानित किया गया। हिन्दू वाल्मीकीय दल झाबुआ द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 डालेन्द्र कुमार भट्ट ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर, इन्द्रजीतसिंह, डॉ0गिरीश कुमार शर्मा, डॉ0अखिलेष कुमार व्दिवेदी, डॉ0 अश्वनी बैस, पूजा चौधरी, नीलेश कुषवाह, ललित कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1553 करोड़ की राशि अंतरित

लाड़ली बहना योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम तहसील कार्यालय में सम्पन्न

नीमच, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्ययमंत्री डॉ.मोहन यादव ने देवास जिले के सोनकच्छ में सोमवार को आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1553 करोड़ रूपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 56 लाख हितग्राहियों के खाते में 337 करोड़ की राशि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 81 लाख किसानों के खाते में 1624 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला मुख्यालय के अलावा उपखण्ड मुख्यालय नीमच, जावद एवं मनासा तथा सभी नगरीय निकाय स्तर पर भी सीधा प्रसारण किया गया।

इस कार्यक्रम में देवास जिले के सोनकच्छ से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के उदबोधन का सीधा प्रसारण भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने उदबोधन में कहा, कि जल का खेत से संबंध है, सूखे खेत में पानी और बिजली मिल जाए, तो किसान खुशहाल होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लाड़ली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश की बहनें हर माह रक्षाबंधन पर्व मना रही है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने महिला, युवा, किसान एवं गरीब, सबका समान रूप से ध्यान रखने का संकल्प दिलाया है। इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम का जिला मुख्यालय नीमच के तहसील कार्यालय नीमच में सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, जनप्रतिनिधिगण, अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू, कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी. मेहरा सहित जिला अधिकारी, कर्मचारी, लाड़ली बहने एवं किसान भाई उपस्थित थे। जिला स्ततरीय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने कहा, कि मैं अन्नदाता किसान और लाडली बहनों का सम्मान करता हूं। बेटियों के सम्मान बढ़ाने के लिए देश एवं प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बेटी बचाओं, बेटी पढाओं अभियान की शुरूआत की है। किसानों का सम्मान देश एवं प्रदेश में प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी ने किसान सम्मान निधि योजना से किसानों का सम्मान बढ़ाया है। बहन, बेटी को पूरा लाभ मिले और वे आत्मनिर्भर बने। प्रदेश सरकार किसानों की खेती को लाभ का धंधा बना रही है। बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल रहा है। प्रारंभ में एसडीएम श्री संजीव साहू, तहसीदार नीमच सुश्री कविता कडेला, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी. मेहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

नेत्र कुम्भ 2025 में दत्तात्रेय होसबले का हुआ आगमन

नेत्र कुंभ में अभी तक 1 लाख 33 हजार 338 का हो चुका है नेत्र परीक्षण-डा. पाण्डेय

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सक्षम मालवा प्रांत सचिव रविंद्र पाण्डेय ने बताया कि नेत्र कुंभ 2025 दृष्टिसे दिव्यता तक का आयोजन प्रयागराज महाकुंभ में किया जा रहा है। नेत्र कुंभ केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्थान का महायज्ञ है। हमारा उद्देश्य हर ज़रूरतमंद को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा, परामर्श, दवा और चश्मे प्रदान करना है ताकि हर व्यक्ति स्पष्टदृष्टि के साथ जीवन की सुंदरता को देख सके।

प्रयागराज के सेक्टर-6, नागवासुकी मंदिर के निकट आयोजित इस नेत्रकुंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबळे ने नेत्र कुंभ 2025, प्रयागराज का दौरा किया और इस महायज्ञ में अपनी उपस्थिति से इसे और अधिक प्रेरणादायी बनाया। उन्होंने इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे समाज के लिए एक अद्वितीय पहल बताया। श्री दत्तात्रेय होसबळे ने इस महायज्ञ की सराहना की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य श्री सुरेश सोनी ने भी नेत्र कुंभ का दौरा किया और इस महायज्ञ में अपनी शुभकामनाएँ दीं। आपकी प्रेरणा से यह सेवा कार्य और भी समर्पण के साथ आगे बढ़ेगा। रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि नेत्र कुंभ केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्थान का महायज्ञ है। हमारा उद्देश्य हर ज़रूरतमंद को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा, परामर्श, दवा और चश्मे प्रदान करना है ताकि हर व्यक्ति स्पष्टदृष्टि के साथ जीवन की सुंदरता को देख सके। सेवा और समर्पण की इस पहल में श्री दत्तात्रेय होसबळ का आशीर्वाद प्रेरणादायी है। आपने बताया कि इस नेत्र कुंभ अभी तक 1 लाख 33 हजार 338 नेत्र परीक्षण, 91058 चश्मे वितरित तथा 10698 रोगियों के नेत्र ऑपरेशन किये गये है। रविन्द्र पाण्डेय ने प्रयागराज महाकुंभ में जाने वाले सभी श्रद्धालुओं से आव्हान किया कि नेत्र कुंभ के इस पुनीत सेवा का लाभ उठाएं।

डा.तोमर ने 83 वीं बार रक्तदान किया

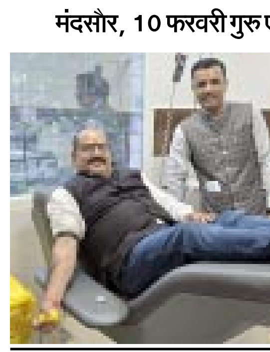

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पमनानी हॉस्पिटल मन्दसौर में उपचाररत 15 माह के बालक अयांश राठौर को अइ+ रक्त की जरूरत पड़ने पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने मानव सेवार्थ इन्दिरा गांधी जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। यह उनका 83 वीं बार रक्तदान है। गौरतलब है कि डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर पिछले कई वर्षों र्से मानव सेवार्थ रक्तदान अभियान से स्वयं जुड़कर कार्य कर रहे है एवं अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करते है।

बोरीवाल बने भादवामाताजी खटीक समाज धर्मशाला निर्माण समिति के अध्यक्ष

नीमच, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कुमावत धर्मशाला भादवा माताजी पर खटीक समाज नवीन धर्मशाला निर्माण हेतु दिनांक 09/02/25 रविवार को बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनेक गांव से बैठक में प्रतिनिधित्व कर निर्माण समिति के अध्यक्ष नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण बोरीवाल बरथून को नियुक्त किया गया जिससे सभी मित्र गणों एवं संपूर्ण खटीक समाज में हर्ष की लहर व्याप्त है। मालवा महाराज खटवांग पुण्यार्थ सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष बोरीवालजी के द्वारा विगत समय में रतलाम इंदौर उज्ञैन जावरा मंदसौर नीमच आदि स्थानों पर सामूहिक समाज की बैठकों का आयोजन किया गया और ऐतिहासिक सम्मेलन का आयोजन भी किया गया संपूर्ण खटीक समाज जन को गर्व महसूस होता है इस बैठक में मदनलाल चौहान गोविंदराम सुहिल नीरज सांवलिया छगनलाल खींची दिलीप सांवलिया जगदीश चौहान मुकेश चौहान अमृत बोरीवाल नागेश्वर चंदेल नवीन सांखला अनिल सांवलिया सुनील सांवलिया सूरजमल चंदेल देवेंद्र बाफना दिलीप चंदेल सूरजमल बोरीवाल रतनलाल खींची परमेश्वर तोसावड़ा जगन्नाथ तंवर प्रकाश पहाड़िया जितेंद्र खींची कारूलाल नेक्स विनोद चौहान प्रभुलाल खींची आदि समाज जन उपस्थित थे।

जागरूकता ही बचा सकती हैं साइबर ठगी को

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थीयों ने किया थाने का एक्सपोजर विजिट

सीतामऊ, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी,ब्लॉक समन्वयक नारायणसिंह निनामा के मार्गदर्शन में सीतामऊथाने का एक्सपोजर विजिट किया गया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दिनेश प्रजापत के कुशल नेतृत्व एवं थाना प्रभारी दिनेश मालवीय के समन्वयक से सामुदायिक पुलिसिंग के बारे मे जानकारी मिली। सब इंस्पेक्टर महिला डेस्क प्रभारी ममता अलावा ने थाने की समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिसमे रोजनामचा, विवेचक कक्ष, थाना प्रभारी कक्ष, मालखाना, रजिस्टर एवं थाने में एफआईआर दर्ज करने के नए ऐप के बारे में जानकारी दी गई। महिला डेस्क प्रभारी ममता अलावा ने छात्राओं को महिला एवं बाल मित्र थाने का अवलोकन कराते महिलाओं से संबंधित अपराधों एवं विभिन्न कानुनी धाराओ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही सायबर क्राईम के बारे में महिला डेस्क प्रभारी ममता अलावा,एचसीएम शंभुलाल यादव,हेड कास्टेबल प्रेमनारायण ने बताया की अनजान लिंक पर कभी भी क्लीक नही करें। साथ ही अनजान नम्बर पर वीडियो कॉल कभी भी रिसीव नहीं करें। साइबर फ्रॉड से बचना है तो हमे जागरुक होना पडेगा। जितना आप जागरूक होगे,उतना आप साईबर ठगी से बच सकते है। साइबर फ्रॉड बहुत तेजी से होता है अगर हमें ऐसा लगे तो हमें तुरंत अपने नजदीकी थाने या 1930 नंबर पर शिकायत करना चाहिए। महिलाओ ओर बालिकाओ को सोशल नेटवर्क पर व्यक्तिगत फोटो शेयर नही करना चाहिए। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए हमें कभी भी ओटीपी शेयर नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर परामर्शदाता हेमंत गौड, हरिओम गंधर्व, मंगल बैरागी ,चरणसिंह चौहान, सत्यनारायण प्रजापत उपस्थित थे। यह जानकारी परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने दी।

उद्यानिकी महाविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव कलाकुंभ का आयोजन आज से

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला के निर्देशन में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में दूसरी बार तीन दिवसीय विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव कलाकुंभ का आयोजन आज 11 फरवरी से कुलगुरु प्रो अरविन्द कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा।

उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ आई एस तोमर ने कहा कि इस युवा महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत, उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर, कृषि महाविद्यालय सीहोर, कृषि महाविद्यालय इंदौर, कृषि महाविद्यालय खण्डवा और कृषि महाविद्यालय ग्वालियर के छात्र ललित कला साहित्यिक गतिविधि, संगीत नाट्य और रंगारंग लोक नृत्य श्रेणी की शानदार प्रस्तुतिया प्रदान करेंगे। जिससे यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सार्थक रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।

अभा डाक अजा/जजा कर्मचारी कल्याण संघ का संभागीय अधिवेशन सम्पन्न

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय डाक अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ (मान्यता प्राप्त) मंदसौर संभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के 133वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन 9 फरवरी, रविवार को यशोधर्मन गार्डन संजीत रोड़ मंदसौर पर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंदसौर डाकघर अधीक्षक जगदीशप्रसाद शर्मा, अध्यक्षता बी.एल. कोयल, विशेष अतिथि सहायक अधीक्षक इंदौर धर्मेन्द्र कुमार, भारती सर्कल सचिव अनिल कुमार भारती, सीआई मंदसौर राकेश नाहरबाल, पोस्टमास्टर नीमच अमृतलाल खटीक, पोस्टमास्टर मंदसौर अशिश कुमार श्रीवास्तव, दिनेश कुमार चौहान की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन दिलीप कुमार सूर्यवंशी ने किया। इस दौरान संघ की नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन भी हुआ। जिसमें अध्यक्ष विनोद कुमार बोराना, सचिव शिवकुमार मीना, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सूर्यवंशी को सर्वसम्मति से चुना गया। कार्यक्रम में इंदौर संभाग, उज्ञैन संभाग, रतलाम संभाग, छतरपुर संभाग, भोपाल संभाग, ग्वालियर संभाग एवं संभाग से अतिथिगण उपस्थित हुए।

रामावत के प्राचार्य बनने पर विनर क्लब ने किया स्वागत

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई विद्यालय क्रमांक 2 मन्दसौर के श्री सुरेन्द्र रामावत प्राचार्य बनने पर उन्हें विनर क्लब द्वारा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया व उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर क्लब के विनय दुबेला ने कहा कि श्री रामावत शिक्षा के प्रति हमेशा समर्पित रहे है। उन्होंने समय-समय पर विद्यार्थियों के भविष्य के लिये अथक कार्य किये है। जो कई उच्च पद पर आज प्रतिष्ठित है। आपके उज्ज्वल भविष्य की हम कामना करते है। जो दायित्व आपने संभाला है उसका निर्वहन करते हुए विद्यार्थियों के उत्कृष्टभविष्य में सहयोग प्रदान करेंगे। इस दौरान क्लब के विनय दुबेला, बंशीलाल टांक, शंभूसेन राठौर, संजय मण्डोवरा, नटवर पारीख, नेमीचंद खिमेसरा, शुभम मारोठिया, ब्रजेशसेन मारोठिया, विजय गेहलोद आदि उपस्थित थे।

आज पुण्यतिथि पर विशेष...

भाजपा पं.उपाध्याय के सिद्धांतों पर चलकर हिंदुस्तान का दिल जीत लेगी

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजनीति में अवसरवादिता इस कद्र बढ़ गई है कि राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले तथा राजनीति के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकांश व्यक्ति इस दृश्य को देखकर उदासीन हो जाते हैं। इसके कारण भारत की 'राजनीति अवसरवादी एवं सिद्धांतहीन व्यक्तियों का अखाड़ा बनती जा रही है।'

राजनीतिज्ञों एवं राजनीतिक दलों का ना तो कोई सिद्धांत है एवं आदर्श, और ना ही कोई आचार संहिता, एक दल को छोड़कर दूसरे दल में जाने में व्यक्ति को जरा भी संकोच नहीं होता। दलों के विघटन अथवा विभिन्न दलों के बीच युक्ति-युक्त समझौता भी होता है तो वह किसी सात्विक मतभेद अथवा समानता के आधार पर नहीं अपितु उसके मूल में चुनाव और पद ही प्रमुख रूप से रहते हैं।' पंडित दीनदयालजी उपाध्याय कभी भी उक्त प्रकार की व्यवस्था के पक्षधर नहीं रहे। वे हमेशा राजनीतिक दलों को भारत की संस्कृति, इतिहास तथा स्वभाव के अनुरूप सत्ता या सरकार का संचालन करना चाहते थे, क्योंकि सत्ता संचालन के लिए यदि वैचारिक एकात्मता नहीं होगी तो ऐसी सत्ताएं केवल क्षणिक सुख भोगने के लिए हो सकती है किंतु राष्ट्र के विकास और समाज के लिए कभी भी शुभ नहीं हो सकती। पंडित जी कहते हैं कि- प्रत्येक देश की अपनी विशेष ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति होती है और उस समय उस देश के जो भी नेता, विचारक होते हैं वह उस स्थिति के अनुरूप देश को आगे बढ़ाने की दृष्टि से मार्ग निर्धारित करते हैं।

अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जो हल उनके द्वारा सुझाए जाते हैं वे सुझाव इस भारत के भीतर भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में रहने वाले समाज पर पूरी तरह लागू हो जाए यह विचार करना पूर्णत: गलत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि- दुनिया भर के मनुष्यों के शरीर के अंगों की क्रिया समान होते हुए भी जो दवा इंग्लैंड या अमेरिका में कार्य करती है वह भारत में भी करे, यह जरूरी नहीं है। जिस प्रकार रोगों का संबंध जलवायु, आचार- विचार खान-पान तथा वंश परंपरा में रहता है, उनका रोग भले ही देखने पर एक जैसा दिखता हो पर उसकी दवा सब मनुष्य के लिए एक जैसी नहीं हो सकती। इसी प्रकार बाहर इस देश से बाहर जितनी भी नीतियां और व्यवस्थाएं हैं, उनको हम उसी प्रकार से अपने देश में चलाएं तो यह संभव नहीं होगा और उसके द्वारा हम कभी भी हम देश की प्रगति नहीं कर सकेंगे। यदि दूसरे देशों की कुछ बातें या व्यवस्थाएं अच्छी भी हो तो उन्हें लागू करते समय अपने देश के शाश्वत सिद्धांत, उसकी संस्कृति ,परंपरा और इतिहास को कोई क्षति ना पहुंचे इसका विचार करते हुए ही लागू करना चाहिए, अन्यथा दूसरों की नकल करने के चक्कर में हम अपना असल ही भूल जाएंगे। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी का जो केंद्रीय नेतृत्व है अथवा केंद्र सरकार है, उसने पूर्णत: पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मवाद के आधार पर समाज के प्रत्येक अंतिम व्यक्ति को समान स्तर पर लाने के प्रयास किए है तथा स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए 'मेक इन इंडिया' जैसे कार्यक्रम को महत्व प्रदान किया है। छोटे-छोटे उद्योगों के अस्तित्व को वापस लौटने के प्रयास प्रारंभ कर दिए गए हैं तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए न्यूनतम आयात तथा अधिकतम निर्यात, कृषि उत्पादन, एवं नवीन टेक्नोलॉजी जैसे विशेष विशेष प्रावधान, भारत के स्वभाव के अनुरूप विदेश नीति, सीमाओं की सुरक्षा, आंतरिक शांति, इत्यादि प्रयासों के साथ भारत के पुनर्वैर्भव को लोटाने के लिए वे सारे प्रयास प्रारंभ किए हैं, जो इस हिंदुस्तान को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हो सकते हैं। दीनदयाल जी के अनुसार वे समस्त चिन्ह जो गुलामी के प्रतीक हैं तथा जो गुलामी की मानसिकता को जीवित रखने वाली परंपराएं हैं, उनको समूल रूप से समाप्त करने के प्रयास भी भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार बहुत ही संतुलित तरीके से कर रही है। क्योंकि, अपना भारत, यह एक लोकतांत्रिक देश है। यहां पर विभिन्न धर्म एवं जातियों के लोग निवास करते हैं, उनकी सुरक्षा उनकी अपनी संस्कृतियों, मत और पंथ का पोषण करते हुए तथा उनके वैधानिक धर्म स्थानों का संरक्षण कर उन्हें एक अच्छा जीवन स्तर प्रदान करने के प्रयास केंद्र सरकार के द्वारा किए जा रहे हैं।

आज आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि अर्थात बलिदान दिवस है और उनके द्वारा रचित 'एकात्म मानववाद' के मार्ग पर भारतीय जनता पार्टी चलने के सभी आवश्यक प्रयास कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के नेता और भारतीय राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन को वैचारिक दिशा देने वाले पुरुष थे। यह अलग बात है कि उनके बताए सिद्धांतों और नीतियों की चर्चा साम्यवाद और समाजवाद की तुलना में बेहद कम हुई किंतु आज संपूर्ण विश्व उनके द्वारा लिखित एकात्मकता के सिद्धांत को स्वीकार कर रहा है। आज इसलिए भारत की संस्कृति एवं परंपराओं को विश्व के अनेक देश स्वीकार कर रहे हैं तथा अपने देश में लागू करने का प्रयास भी उनके द्वारा किया जा रहा है। भारत द्वारा विश्व शांति के लिए किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों को संपूर्ण विश्व में स्वीकार किया जा रहा है। हमारा भारत विश्व गुरु बनने की ओर कदम बढ़ा रहा है, यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय की कल्पनाओं एवं विचारों का ही परिणाम है।

रमेशचन्द्र चन्द्रे

बाइक चोर को भेजा जैल

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसे जैल भेजने के आदेश हुए। जानकारी के अनुसार सनावदा निवासी भगवानसिंह पिता रामसिंह राजपूत ने पिपलिया थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी पिपलिया चौपाटी स्थित चाय की दुकान से अज्ञात व्यक्ति बाइक (एमपी 14 एमएन 2181) चोरी कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामला जांच में लिया, विवेचना के दौरान चोरी की बाइक अम्बाव निवासी श्यामसिंह से बरामद की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नारायणगढ कोर्ट में पेश किया, जिसे जैल भेजने के आदेश दिए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	60	2232	2368
उडद	15	5250	6150
सोयाबीन	5809	3800	4195
गैहु	2064	2900	3150
चना	50	4701	5430
मसुर	70	5351	6100
धनिया	714	4700	7100
लहसुन	20000	3501	9200
मैथी	479	3500	5471
मुंगफली	1093	4200	5091
अलसी	1350	5230	5901
सरसो	1500	4700	5813
तारामीरा	5	4000	4181
इसबगोल	35	7000	11000
प्याज	1424	500	2401
कलोंजी	4	13301	16299
तुलसी बीज	1	11199	11199
डॉलर	15	4000	9800
तिल्ली	4320	7151	8800
जौ	000	0000	0000
मटरसुखी	000	0000	0000
असालीया	80	7200	8531
चियाबीज	45	10240	12900

सहकारिता विभाग में भ्रष्टाचार: नंदकिशोर धाकड़ के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों लंबित..?

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में सहकारिता विभाग के तहत भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का एक बड़ा मामला सामने आ रहा है। यह मामला वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार जैन और प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित धुंधड़का में पदस्थ नंदकिशोर धाकड़ से जुड़ा है। सवाल यह उठ रहा है कि जब अन्य जिलों में इसी तरह के मामलों में कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है, तो नंदकिशोर धाकड़ के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या प्रशासन इस मामले में जानबूझकर लापरवाही बरत रहा है?

आदेश के बावजूद क्यों नहीं हुई पदस्थापना?–कार्यालय उपायुक्त सहकारिता, जिला मंदसौर द्वारा 12 मार्च 2021 को जारी आदेश (पत्र क्रमांक/ स्थापना /2021/798) में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि छापे की कारवाई के बाद राजेंद्र कुमार जैन को प्रबंध संचालक का प्रभार सौंपा जाएगा और प्रतिलिपि क्रमांक 07 मे नंदकिशोर धाकड को शाखा धुंधड़का से हटाकर अन्य शाखा में पदस्थ किया जाएगा। लेकिन आज तक उनकी नई पदस्थापना नहीं की गई क्यों वे धुँधडका शाखा मे पदस्थ है। यह सवाल उठता है कि जब आदेश स्पष्ट रूप से दिया गया था, तो उसे लागू करने में देरी क्यों की गई? क्या इसके पीछे कोई भ्रष्टाचार या उच्च स्तर से संरक्षण प्राप्त किया जा रहा है?

पैक्स सेवा नियमों की अनदेखी–पंजीयक सहकारिता कार्यालय द्वारा 30 अगस्त 2013 को जारी पैक्स सेवा नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई, दुराचरण और दंड प्रक्रिया के स्पष्ट प्रावधान हैं। अध्याय 6, कंडिका 23 (32) के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत अपराध प्रमाणित होता है, तो उसे जांच तक तत्काल निलंबित किया जा सकता है। अध्याय 7, कंडिका 30 में यह प्रावधान है कि जांच प्रक्रिया के दौरान भी कर्मचारी को निलंबित किया जा सकता है। यहां यह सवाल उठता है कि जब नंदकिशोर धाकड़ के खिलाफ लोकायुक्त ट्रैप कार्रवाई चल रही है, तो उन्हें निलंबित क्यों नहीं किया गया? अन्य शाखा मे ट्रांसफर क्यों नहीं किया गया।क्या यह स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की कोशिश नहीं है?

नेमीचंद राठौर

अन्य जिलों में हुई कार्रवाई, लेकिन मंदसौर में देरी क्यों?–रतलाम, झाबुआ और सागर जैसे जिलों में इसी कंडिका के तहत कई कर्मचारियों को आय से अधिक संपत्ति के मामलों में निलंबित किया गया है। लेकिन मंदसौर में इसी तरह के प्रकरण में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। क्या सहकारिता मे प्रति 100 किलोमीटर मे नियम बदल जाने का प्रावधान है। यह दिखाता है कि या तो स्थानीय सहकारिता विभाग की इस मामले में संलिप्त है या फिर भ्रष्टाचारियों को बचाने की कोशिश हो रही है।

पूर्व प्रशासक को निलंबित किया गया, तो प्रभार देने वाले अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं?–इससे पहले पूर्व प्रशासक नानूराम सोलंकी को निलंबित किया गया था क्योंकि उन्होंने पैक्स सेवा नियमों का पालन नहीं किया था। सूत्रों की माने तो उनपर आरोप साबित भी हुआ और विभाग द्वारा वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही भी की गयी लेकिन सवाल यह है कि नंदकिशोर धाकड़ को नियमों के खिलाफ जाकर पुन: प्रभार देने वाले अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? लोकायुक्त के परिपत्र के अनुसार, विभागीय जांच और लोकायुक्त की कार्रवाई एक साथ चल सकती हैं। फिर नंदकिशोर धाकड़ के खिलाफ विभागीय जांच में देरी क्यों की जा रही है?

संस्था और बैंक को गुमराह करने का प्रयास –नंदकिशोर धाकड़ ने यह जानते हुए भी कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच चल रही है, नियमों के विरुद्ध पुन: प्रभार लिया और संस्था, बैंक तथा विभाग को गुमराह किया। यह एक गंभीर मामला है क्योंकि ऐसे कर्मचारी विभाग की छवि खराब करने के साथ-साथ संस्थाओं को भी आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं। यदि उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो यह सहकारिता क्षेत्र में भ्रष्टाचार को और बढ़ावा देगा।

सहकारिता विभाग कब उठाएगा ठोस कदम?–यह पूरा मामला प्रशासन की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। जब अन्य जिलों में इसी तरह के मामलों में त्वरित कार्रवाई हुई है, तो मंदसौर में इस भ्रष्टाचार को क्यों बढ़ावा दिया जा रहा है? यदि शीघ्र ही नंदकिशोर धाकड़ को सेवा से पृथक नहीं किया गया, तो यह स्पष्ट होगा कि सहकारिता विभाग प्रशासन भी इस भ्रष्टाचार में कहीं न कहीं संलिप्त है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों के बीच भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों मिल रहा है? यह मामला केवल एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली से जुड़ा है। यदि सहकारिता विभाग को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है, तो लोकायुक्त और विभागीय नियमों के अनुसार तत्काल कार्रवाई करनी होगी। यदि प्रशासन अब भी चुप रहता है, तो यह माना जाएगा कि भ्रष्टाचार को खुली छूट दी जा रही है।

भ्रष्टाचार की पारदर्शिता को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त सहकारिता द्वारा तीन दिवस बाद ही समिति कर्मचारी सेवा नियम अनुसार कर्मचारियों के भ्रष्टाचार कर संपत्ति अर्जित को रोकने हेतु संस्था के कर्मचारी हेतु पत्र क्रमांक /साख/ विधि/पी-17/2021/720 भोपाल, दिनांक 3/03/2021 से पत्र जारी कर निर्देश दिए गए थे (संलग्न–04)।जिसमें निम्नलिखित तीन बातें सम्मिलित थी जिसका पालन विभाग द्वारा आज तक नहीं करवा पाया जो अधिकारियों द्वारा इस पत्र की आड़ मे भ्रष्टाचार किया जाना प्रतीत होता है कई कर्मचारी हैं जो करोडो की संपत्ति साधन अर्जित के किए हुए हैं। जिसमें निम्नलिखित निर्देश थे। 1. सेवायुक्त को अपनी नियुक्ति पर अपने एवं स्वयं पर आश्रितों की संपत्ति के संबंध में एक विवरण प्रस्तुत करना होगा। 2. वह, संस्था की लिखित पूर्व अनुमति के बिना कय, दान यां अन्यथा कोई स्थावर सम्पत्ति अर्जित नहीं करेगा। 3. सेवायुक्त प्रतिवर्ष 31 मार्च की स्थिति पर 30 अप्रैल तक अपनी चल/अचल संपत्ति का ब्यौरा निर्धारित प्रारूप में अपने नियोक्ता को प्रस्तुत करेगा। कब तक इसका पालन उज्जैन संभाग मे होगा यदि पालन नहीं होगा और किसी कर्मचारी पर छापा डाला जायेगा तो पालन नहीं करने पर उप पंजीयक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी एवं साथ मे सहयोजित कर आरोपी बनाया जायेगा। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है, या फिर यह मामला भी फाइलों में दबा दिया जाएगा।

शिव के धार्मिक दर्शन में जीवन की विविधता दिखाई देती है–सांसद

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री जांगिड़ ब्राह्मण सुतार पंचायत चंद्रपुरा के तत्वाधान में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दूसरे दिन क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता के मुख्य अतिथि में महा आरती का आयोजन किया गया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर ने उपस्थित होकर समाज जनों एवं क्षेत्र के नागरिकों की उपस्थिति में भगवान श्री चारभुजा नाथ की मां आरती कर चल रहे शिव प्राण प्रतिष्ठा उत्सव पर पूजा अर्चना की इस अवसर पर संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि शिव का जीवन दर्शन हमारे जीवन के आसपास होने वाले घटनाक्रम से जुड़ा हुआ दिखाई देता है शिव की आराधना करने का मतलब समाज की विषमता को समाप्त करना है समाज द्वारा शिव परिवार के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के आयोजन पर हार्दिक बधाई उनका यह प्रकल्प पूरा हो और शिव मंदिर क्षेत्र में आराधना का केंद्र बने यही कामना है सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि समाज के वरिष्ठयान एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी चारभुजा नाथ चंद्रपुर मंदिर परिसर एवं क्षेत्र के विकास के लिए जो भी योजना बना कर देंगे उसे पूर्ण करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर ने उपस्थित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चारभुजा नाथ मंदिर काफी पुराना एवं प्राचीन मंदिर है इसके आसपास लगी हुई भूमि के विकास के लिए नगर पालिका के माध्यम से विकास की जो भी योजनाएं आवश्यक होगी उसे पूर्ण किए की जावेगी क्षेत्रीय पार्षद जो भी योजना बना कर देंगे उसे लागू करने का प्रयास किया जावेगा क्षेत्र के पार्षद प्रतिनिधि शैलेंद्र गोस्वामी ने कहा कि श्री चारभुजा नाथ मंदिर वर्षों पुराना मंदिर है इसकी अपनी एक धार्मिक पहचान है और यही कारण है कि यहां पर इनको काफी मानता है श्री जांगिड़ ब्राह्मण सुथार पंचायत समाज ने इस मंदिर के विकास के लिए जो भी प्रकल्प लिए हैं उसे पूरा करने का में प्रयास करूंगा मंदिर से लगी हुई भूमि पर नाला बनाने का प्रस्ताव बनाकर शीघ्र ही नगर पालिका अध्यक्ष को दिया जाएगा इसके अलावा मंदिर के सामने नाली निकालने का भी प्रस्ताव भेजा जाएगा ताकि पूरा परिसर साफ सुथरा रहे एवं आने वाले दर्शनार्थियों को किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पडे कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने चारभुजा नाथ भगवान की आरती की एवं पूजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा के हवन में आहुति प्रदान की उक्त शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान यज्ञ आचार्य श्री विष्णु जी शर्मा के मार्गदर्शन में चल रहा है कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों अतिथियों का श्री जागीर ब्राह्मण सुतार पंचायत ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक झलोया उपाध्यक्ष मांगीलाल झटवा उपाध्यक्ष बंशीलाल झलोया कोषाध्यक्ष रणछोड़ हसवार सचिन चंद्रशेखर तिवारी सह सचिव भेरूलाल झटावा ट्रस्टी अशोक सवार राधेश्याम झटावा राजेश धारणिया अनिल तिवारीअंगिरा ऋषि शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष अर्जुन झलोया उपाध्यक्ष दीपक गाजवा पार्षद कोषाध्यक्ष राजेश धारणिया सचिव शरद तिवारी सहसचिव गौरव झलोया ट्रस्टी डॉक्टर श्याम तिवारी जितेंद्र शर्मा आशीष झटावा योगेंद्र हसवार पंकज गजवा मनीष किशोर शर्मा महिला समिति के अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी तिवारी उपाध्यक्ष शीतल झलो या श्रीमती संतोष झटावा श्रीमती मोनिका झलोया सचिव श्रीमती शशि झलोया सह सचिव श्रीमती वीणा तिवारी कोषाध्यक्ष ज्योति तिवारी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक झलोया ने किया आभार सचिव श्री चंद्रशेखर तिवारी ने माना।

मोटर चोरी के आरोपी रिमाण्ड पर

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विद्युत मोटर चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, इन्हें कोर्ट ने एक दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव बरदल में किसानों के कुओं से 2 विद्युत मोटर चोरी हो गई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने दोनों मोटर चोरी करने वाले वरदल निवासी तेजपाल भील व लाला भील को पकड़ा। दोनों से चोरी गई मोटर भी बरामद की। मामले की जांच कर रहे एसआई सत्येन्द्र सैनी ने बताया दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को नारायणगढ़ कोर्ट में पेश किया। जिन्हें एक दिन रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए।

मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शुक्ला चौक व्यापारी संघ का मिलन समारोह का आयोजन खिड़की माता मंदिर परिसर में रखा गया। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से सभी वर्ग के व्यापारी बंधु आपसी सौहार्द, प्रेम, मेलजोल, भाईचारा कायम रखते हुए इस आयोजन का सफलतापूर्वक मानते आ रहे है। मिलन समारोह में सभी व्यापारी बंधुओं ने सर्व सहमति से डॉ विशाल व्यास (दन्त चिकित्सक) को व्यापारी संघ का अध्यक्ष मनोनीत कर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 2 लाख 9 हजार किसानों को किसान कल्याण योजना की तृतीय किश्त का लाभ दिया

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज सोनकच्छ, जिला देवास से सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, लाडली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को हितलाभ अंतरण किया।प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को 1553 करोड़ रुपए का हितलाभ प्रदान किया। 56 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 337 करोड़ रुपए का

हितलाभ प्रदान किया एवं 81 लाख किसानों को किसान कल्याण योजना में 1624 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से हितलाभ प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रसारण जिले की सभी ग्राम पंचायत में किया गया। जहां पर हितग्राहियों ने कार्यक्रम को देखा और सुना। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से मंदसौर जिले के 2 लाख 9 हजार 131 किसानों को किसान कल्याण योजना की तृतीय किश्त का हितलाभ प्रदान किया। 1 लाख 17 हजार 954 हितग्राहियों को 7 करोड़ 7 लाख 72 हजार रुपए की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का हितलाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत 2 लाख 64 हजार 8 लाडली बहनों को 32 करोड़ रुपए की राशि का हितलाभ प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, प्रभारी एडीएम श्री राहुल चौहान, मंदसौर एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में हितग्राही, पत्रकार मौजूद थे।

महिला ने महिला को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महिला ने महिला को पीटा, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जवाहर नगर नीमच, हामु फाटक मोहल्ला पिपलियामंडी निवासी राधाबाई पति बद्रीलाल कुमावत ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बरखेड़ापंथ में हाईवे पर मुझे मुरली निवासी वर्षा चौहान मिली और बोली तू गोर्धन मेघवाल के साथ क्यों रहती है और गाली-गलौज कर मारपीट की। जिससे चोंटे आई। पुलिस ने वर्षा पर केस दर्ज किया।

देवनारायण भगवान की कथा आज से

पिपलियामंडी, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। देवनारायण भगवान के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गांव गुड़भेली बड़ी स्थित देवनारायण मंदिर पर 11 से 15 फरवरी तक देवनारायण भगवान की कथा होगी। मंदिर पुजारी ओमप्रकाश चौहान ने बताया प्रतिदिन प्रात: 11 से शाम 4 बजे तक मंदिर परिसर में नारायणलाल गाडरी एंड पार्टी उदयपुर कथा की प्रस्तुति देगी।

हमारे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि और गौरवशाली क्षण–मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश को अब तक मिले 51 पदक, 21 स्वर्ण, 13 रजत और 18 कांस्य पदक किए अर्जित

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। खेलों में भी मध्यप्रदेश इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने 51 पदक जीत कर देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है। यह मध्यप्रदेश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब राष्ट्रीय खेलों में सिर्फ 5 दिन शेष हैं। हाल ही में नीलू यादव ने अपने बलबूते पर स्वर्ण पदक जीता है। इसे मिलाकर अब हमारे पास 21 गोल्ड हो गए। राष्ट्रीय खेलों का समापन 14 फरवरी को हल्द्वानी में होगा। गत 28 जनवरी से अब तक कई प्रतियोगिताओं के निर्णय हो चुके हैं और अभी कई खेल प्रतियोगिताएं जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उम्मीद जताई है कि राष्ट्रीय खेल खत्म होते-होते अभी और भी पदक मध्यप्रदेश की झोली में आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने वाली नीतियों और खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय खेलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक 21 स्वर्ण, 13 रजत और 18 कांस्य समेत कुल 51 पदक हासिल कर लिए हैं। अकेले वुशु गेम में ही प्रदेश को 9 पदक मिले हैं, जिनमें 6 स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। हॉकी में प्रदेश की बहन-बेटियों ने पश्चिम बंगाल जैसी सशक्त टीम को हराकर इतिहास रच दिया। भोपाल की अकादमी में प्रशिक्षित दीक्षा ने 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की 9 करोड़ जनता की ओर से सभी पदक विजेताओं को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तीन दिवसीय बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट का शुभारम्भ

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जन एवं संस्कृति विकास समिति द्वारा बास्केटबॉल खेल को बढ़ावा देने हेतु शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय के बास्केटबॉल खेल मैदान पर दिनांक 10,11 व 12 फरवरी को तीन दिवसीय बास्केटबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।जिसके तहत सोमवार को शुभारम्भ किया गया।इस प्रतियोगिता मे 10 टीमे भाग ले रही है। यह सभी मैच लीग पद्धति से कराये जा रहे है।इस प्रतियोगिता में कक्षा छठवीं से आठवीं तक के विभिन्न स्कूलों के बालक बालिका सहभागिता कर रहे है।अंत मे इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं सहभागिता प्रणाम प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।जन एवं संस्कृति विकास समिति मंदसौर द्वारा तीन दिवसीय बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन मे शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे नपाउपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला रहे।द्वितीय कड़ी मे श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा,पत्रकार व फ़िल्मी कलाकार संतोष परसाई, पत्रकार रुपेश सोलंकी,सिंघम टाइम्स पत्रकार सोनू गुप्ता, मंदसौर समाचार पत्रकार शुभम सोलंकी, सांसद प्रतिनिधि बंशीलाल राठौर ने बास्केट बॉल खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सभी का पुष्पमाला से स्वागत व सम्मान बास्केट बाल सचिव, जाकिर शाह, कोच जय विजय सिंह सिसोदिया, अंकुर त्रिपाठी, रुबीना खान, महेश लखारा ने किया।तातपश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्बोधित कर कहा खेल का हमारे जीवन मे हमारे शरीर के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान है।यह जानकारी जन एवं संस्कृति विकास समिति के जगदीश बैरागी ने दी।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना की कण्डिका 2(07) के तहत कृषि उपज के विक्रय के लिये तथा घर से खेत पर आते जाते समय रास्ते में हुई दुघर्टना में मृत्यु या अंग भंग होने पर आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा कामेरीबाई उर्फ गमेरीबाई निवासी बर्डियाअमरा की कृषि कार्य निंदाई करने हेतु जाते समय रास्ते में हुई दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम वारिस तेजमल को 4 लाख रू की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

सभी एसडीएम ध्वनि प्रदूषण यंत्रों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाए–कलेक्टर

ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने के लिए सभी विभाग आवश्यक तैयारी पूर्ण करे, साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लाउड स्पीकर पर सख्ती से प्रतिबंध लगाए। मरीज गार्डन, धर्मशाला इत्यादि संस्थान जो बिना लाइसेंस/ बिना अनुमति के ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं। उनके उपर कार्यवाही करें। उनके लाइसेंस निरस्त करें। सभी विभाग प्रमुख इस बात का ध्यान रखे कि, अगर कही पर ध्वनि प्रदूषण हो रहा है तो रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराए या पुलिस को सूचना दे। विद्यार्थियों की परीक्षा का समय है, उनके भविष्य को बनाने का समय है। परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न न हो इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें।

ई ऑफिस प्रणाली सभी कार्यालय में लागू होने वाली है। इसके लिए सभी विभाग प्रमुख 28 फरवरी से पहले संबंधित आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें। उसके लिए लॉगिन आईडी बनाएं। सभी ईमेल .सीीं / ळिल.ळपिर बनाएं। मास्टर डाटा ऐनआईसी से बनाएं। ई ऑफिस प्रणाली के पश्चात समस्त कार्य ऑनलाइन माध्यम से होंगे। सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन शिकायत का त्वरित समाधान करें। शिकायतों का समाधान नहीं करने पर अब विभाग प्रमुखों पर सीधी कार्यवाही होगी। शिकायतों के निराकरण के लिए लगातार शिविर चलने दे। स्वास्थ्य विभाग प्रसूति सहायता संबंधित हितग्राहियों के भुगतान तुरंत कर सीएम हेल्पलाइन शिकायत को बंद कराए। रबी उपार्जन पंजीयन से संबंधित गिरदावरी का कार्य एवं गिरदावरी वेरिफिकेशन का कार्य प्रतिदिन करें। सभी ग्राम पंचायत में आम नागरिकों को सरकार की योजनाओं का लाभ देने जिसमें आयुष्मान कार्ड बनाना, 70 प्लस व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाना, फॉर्मर रजिस्ट्री करना, ई केवाईसी करना, सीएम हेल्पलाइन शिकायत समाधान करना जैसे कार्यों के लिए अभियान लगातार चलने दे। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, प्रभारी एडीएम श्री राहुल चौहान, जिलाधिकारी मौजूद थे।

वैश्विक टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार की मप्र में हैं अपार संभावनाएं–मुख्यमंत्री

मंदसौर, 10 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और परिधान उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाओंवाला राज्य बन चुका है। राज्य की समृद्ध कृषि पृष्ठभूमि, पारंपरिक बुनकर समुदायों की उत्कृष्ट कला, आधुनिक औद्योगिक आधार और निवेशक-अनुकूल नीतियाँ प्रदेश को इस क्षेत्र में अग्रणी बना रही हैं। सरकार के सुविचारित प्रयासों से मध्यप्रदेश तेजी से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और गारमेंट हब के रूप में उभर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 इस औद्योगिक यात्रा को और गति देने का माध्यम बनेगा, जहाँ दुनिया भर के निवेशकों को प्रदेश में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का टेक्सटाइल उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर रहा है, जिसमें कच्चे माल के उत्पादन से लेकर परिधान निर्माण और वैश्विक निर्यात तक सभी चरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश, भारत के 43% और वैश्विक स्तर पर 24% ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में योगदान देता है। यह आंकड़ा न केवल प्रदेश की क्षमता को दर्शाता है, बल्कि इसे पर्यावरणीय रूप से सतत और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र निर्माण के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

कपास, रेशम और आधुनिक फाइबर–मध्यप्रदेश की बुनियादी ताकत–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश कपास उत्पादन में अग्रणी है। साथ ही यहाँ का रेशम उद्योग भी लगातार विस्तारित हो रहा है। राज्य प्रतिवर्ष 200 टन से अधिक रेशम उत्पादन करता है, जिससे परंपरागत हथकरघा और आधुनिक सिल्क उत्पाद दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा, मध्यप्रदेश आधुनिक कृत्रिम फाइबर उत्पादन के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे टेक्निकल टेक्सटाइल और स्पेशलिटी फाइबर निर्माण को बल मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार जिले में विकसित किया जा रहा पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क प्रदेश के कपड़ा उद्योग को नया आयाम देगा। 2,100 एकड़ में फैले इस पार्क में टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योगों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होगा। यह पार्क न केवल निवेश आकर्षित करेगा, बल्कि प्रदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बनाएगा।

पारंपरिक कला और आधुनिक टेक्सटाइल अनूठा संगम–मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश की पहचान केवल बड़े कपड़ा उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की पारंपरिक कला भी टेक्सटाइल क्षेत्र की एक बड़ी ताकत है। चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट, बाटिक प्रिंट और जरी-जरदोजी जैसे उत्कृष्ट हथकरघा उत्पाद मध्य प्रदेश की विरासत को दर्शाते हैं इन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महेश्वरी साड़ी, बाग पैटर्न और चंदेरी कॉटन को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिससे इन उत्पादों की ब्रांडिंग और बाजार में स्थिति और मजबूत हुई है।प्रदेश में 60 से अधिक बड़ी कपड़ा मिल्स, 4,000 से अधिक करघे और 25 लाख स्पिंडल्स कार्यरत हैं। इंदौर, भोपाल, उज्जैन, धार, देवास, ग्वालियर, छिंदवाड़ा और जबलपुर प्रमुख टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। इंदौर का रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर 1,200 से अधिक इकाइयों के साथ प्रदेश में रेडीमेड वस्त्र निर्माण की प्रमुख इकाई बन चुका है। यहाँ स्थित अपैरल डिजाइनिंग सेंटर और स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान कर रहे हैं।

टेक्सटाइल उद्योग में निवेश को नई ऊँचाइयाँ देने के लिए सरकार की पहल–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई आकर्षक नीतियाँ लागू कर रही है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत टेक्सटाइल क्षेत्र में 3,513 करोड़ रूपये का निवेश आकर्षित किया है। यह निवेश प्रदेश को उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र निर्माण और निर्यात में अग्रणी बनाएगा। सरकार उद्योगों को बिजली और पानी न्यूनतम दरों पर उपलब्ध करा रही है। साथ ही, जीएसटी में छूट, टैक्स रिबेट और अन्य प्रोत्साहनों के माध्यम से निवेशकों को लाभ पहुँचाया जा रहा है। कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष रूप से कस्टमाइज्ड इन्सेंटिव पैकेज भी तैयार किया है, जो उद्योगों को उनकी निवेश आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

वैश्विक टेक्सटाइल कंपनियों की पसंद बन रहा है मध्यप्रदेश–मध्यप्रदेश पहले से ही ट्राइडेंट ग्रुप, रेमंड, आदित्य बिड़ला, वर्धमान टेक्सटाइल, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, सागर ग्रुप, नाहर स्पिनिंग मिल्स, अतत्र्र्र्र्र्रजड, इंदोरामा और भास्कर जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इन कंपनियों द्वारा प्रदेश में लगातार हो रहा निवेश, सरकार की नीतियों और उद्योग के अनुकूल वातावरण का प्रमाण है। इन कंपनियों की सफलता अन्य निवेशकों को भी आकर्षित कर रही है और आने वाले वर्षों में प्रदेश कपड़ा और परिधान क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

जीआईएस औद्योगिक परिवर्तन को देगा नई दिशा–ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 इस औद्योगिक परिवर्तन को नई दिशा देगा। इस समिट में दुनिया भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि वे मध्य प्रदेश की संभावनाओं को देख सकें और यहाँ निवेश के नए अवसर तलाश सकें। मध्य प्रदेश टेक्सटाइल क्षेत्र में अपनी ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक नवाचारों का समावेश करते हुए, एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित होने की दिशा में अग्रसर है। सरकार निवेशकों के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराकर इस क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीति फार्म से फैब्रिक, फैब्रिक से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजार तक की है। इस दृष्टिकोण को अपनाकर प्रदेश में टेक्सटाइल और परिधान उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खड़ा किया जा रहा है। राज्य सरकार इस क्षेत्र में निवेश करने वाले सभी उद्योगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाकर मध्यप्रदेश को विश्वस्तरीय टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करेगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in